"ज्ञान, विज्ञान और सुसंस्कार इसलिए शिक्षा प्रसार"

– शिक्षणमहर्षि डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचलित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2023–2024

तृतीय वर्ष कला शाखा

PO 1. - मानवीय मूल्यों को बढावा देना।

PO 2. - जिम्मेदार एवं संवेदनशील नागरिक बनाना।

PO 3. - समता, बंधुता, मानवता आदि मूल्यों को विकसित करना।

PO 4. - ज्ञानात्मक और वैचारिक क्षमता विकसित करना।

PO 5. - समाजसेवा और विश्वबंधुत्व की भावना को बढावा देना।

विधा विशेष का अध्ययन

सत्र –V, प्रश्नपत्र – VII,

DISIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSC)

हिंदी (ऐच्छिक) (Course Code – DSC-1016 E1)

श्रेयांक – 04, तासिकाएँ – 60

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

- **उद्देश्य :–**

1. लंबी कहानी और उपन्यास साहित्य से परिचित कराना।
2. कहानीकार उदय प्रकाश के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझाना।
3. 'शकुंतिका' उपन्यास में चित्रित विमर्श का अध्ययन कराना।
4. 'मोहन दास' लंबी कहानी की प्रासंगिकता से अवगत कराना।
5. छात्रों की विचार क्षमता तथा सर्जनात्मकता को बढ़ावा देना।
6. भगवानदास मोरवाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।

- **अध्यापन पद्धति :–**

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. साहित्यकोश के माध्यम से।
3. दृक् – श्रव्य साधनों/माध्यमों का प्रयोग।
4. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
5. पी. पी. टी., आई. सी. टी. तथा भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
6. विशेषज्ञों के व्याख्यान, साक्षात्कार तथा प्रश्नावली।

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR ESTD JUNE 1964 (Empowered Autonomous)

- **पाठ्यपुस्तक :** 'मोहनदास' (लंबी कहानी) – उदय प्रकाश।
- **अध्ययनार्थ विषय :–**

इकाई (Module)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	अध्यापन तासिका (Teaching Hours)	श्रेयांक (Credits)
इकाई 1	उदय प्रकाश का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, उपन्यासकार उदय प्रकाश का सामान्य परिचय।	15	1
इकाई 2	मोहनदास – कथावस्तु एवं शीर्षक की सार्थकता।	15	1
इकाई 3	मोहनदास–पात्र एवं चरित्र–चित्रण, संवाद, देशकाल वातावरण।	15	1
इकाई 4	मोहनदास – भाषा शैली एवं उद्देश्य।	15	1

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन :– **अंक**

प्रश्न 1 : पूरे पाठ्यक्रम पर पाँच बहुविकल्पी प्रश्न 05

प्रश्न 2 : पूरे पाठ्यक्रम पर ससंदर्भ प्रश्न (3 में से 2) 10

प्रश्न 3 : पूरे पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

प्रश्न 4 : पूरे पाठ्यक्रम पर टिप्पणी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

कुल अंक – 35

❖ **अंतर्गत मूल्यमापन – होम असायमेंट और विभागीय मूल्यमापन अंक – 15**

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR
ESTD
JUNE
1964
Empowered Autonomous

सत्र : VI

विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र – XII : विधा विशेष का अध्ययन

(Course Code – DSC-1016 F1)

पाठ्यपुस्तक : 'शकुंतिका' (उपन्यास) – भगवानदास मोरवाल।

- **अध्ययनार्थ गद्य पाठ :–**

इकाई (Module)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	अध्यापन तासिका (Teaching Hours)	श्रेयांक (Credits)
इकाई 1	भगवानदास मोरवाल का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, उपन्यासाकर भगवानदास मोरवाल का सामान्य परिचय।	15	1
इकाई 2	शकुंतिका– कथावस्तु एवं शीर्षक की सार्थकता।	15	1
इकाई 3	शकुंतिका–पात्र एवं चरित्र–चित्रण, संवाद, देशकाल वातावरण।	15	1
इकाई 4	शकुंतिका– भाषा शैली एवं उद्देश्य।	15	1

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन :– **अंक**

प्रश्न 1 : पूरे पाठ्यक्रम पर पाँच बहुविकल्पी प्रश्न 05

प्रश्न 2 : पूरे पाठ्यक्रम पर ससंदर्भ प्रश्न (3 में से 2) 10

प्रश्न 3 : पूरे पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

प्रश्न 4 : पूरे पाठ्यक्रम पर टिप्पणी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

कुल अंक – 35

❖ **अंतर्गत मूल्यमापन – होम असायमेंट और विभागीय मूल्यमापन अंक– 15**

- **पाठ्य पुस्तक :–**
  1. मोहनदास (लंबी कहानी) – उदय प्रकाश।
  2. भगवानदास मोरवाल, शकुंतिका (उपन्यास), राजकमल प्रकाशन, प्रा. लि. नई दिल्ली 110 002, पहला संस्करणः 2020
- संदर्भ ग्रंथः
  1. डॉ. अनिल सिंह – शकुंतिका सृजन और दृष्टि, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली। में

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

साहित्यशास्त्र – I

सत्र – V प्रश्नपत्र – VIII

DISIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSC)

(Course Code – DSC-1016 E2)

हिंदी (ऐच्छिक)

श्रेयांक – 04, तासिकाएँ – 60

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

- **उद्देश्य :–**

1. साहित्य के निर्मिति प्रक्रिया का बोध कराना।
2. काव्य के विभिन्न अंगों, भेदों से परिचित कराना।
3. काव्य के नवीन विधाओं से परिचित करना।
4. शब्दशक्तियों से परिचित कराना।
5. रस के विभिन्न अंगों को समझाना।
6. काव्य सिद्धांतों से परिचित कराना।
7. छात्रों की विचार क्षमता तथा सर्जनात्मकता को बढ़ावा देना।

- **अध्यापन पद्धति :–**

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. सस्वर काव्य पाठ, प्रकट वाचन, संवाद।
3. साहित्यकोश के माध्यम से।
4. दृक् –श्रव्य साधनों/माध्यमों का प्रयोग।
5. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
6. पी. पी. टी., आई. सी. टी. तथा भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
7. विशेषज्ञों के व्याख्यान, साक्षात्कार तथा प्रश्नावली।

- अध्ययनार्थ विषय :–

इकाई (Module)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	अध्यापन तासिका (Teaching Hours)	श्रेयांक (Credits)
इकाई 1	काव्य– परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व, प्रयोजन, हेतु, प्रेरणा	15	1
इकाई 2	शब्दशक्ति– परिभाषा, प्रकार	15	1
इकाई 3	रस – परिभाषा, स्वरूप, अंग, भेद	15	1
इकाई 4	अलंकार – शब्दालंकार– अनुप्रास अलंकार, श्लेष अलंकार, यमक अलंकार, वक्रोक्ति अलंकार। अर्थालंकार– उपमा अलंकार, रूपक अलंकार, उत्प्रेक्षा अलंकार, अतिशयोक्ति अलंकार।	15	1

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन :– **अंक**

प्रश्न 1 : पूरे पाठ्यक्रम पर पाँच बहुविकल्पी प्रश्न 05

प्रश्न 2 : इकाई एक और दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

प्रश्न 3 : इकाई तीन और चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

प्रश्न 4 : पूरे पाठ्यक्रम पर टिप्पणी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

कुल अंक – 35

❖ **अंतर्गत मूल्यमापन – होम असायमेंट और विभागीय मूल्यमापन अंक– 15**

सत्र : VI

विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र – XIII : साहित्यशास्त्र – II

(Course Code – DSC-1016 F2)

➢ **अध्ययनार्थ गद्य पाठ :–**

इकाई (Module)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	अध्यापन तासिका (Teaching Hours)	श्रेयांक (Credits)
इकाई 1	महाकाव्य के भारतीय तथा पाश्चात्य तत्त्व प्रगीत – स्वरूप और भेद ग़ज़ल – स्वरूप और प्रमुख अंग	15	1
इकाई 2	नाटक – भारतीय और पाश्चात्य तत्त्व उपन्यास – परिभाषा, तत्त्व, प्रकार आत्मकथा – परिभाषा और तत्त्व	15	1
इकाई 3	आलोचना– स्वरूप, आलोचक के गुण आलोचना के प्रकार– सैद्धांतिक आलोचना मार्क्सवादी आलोचना संरचनावादी आलोचना सौंदर्यवादी आलोचना	15	1
इकाई 4	छंद मात्रिक छंद – दोहा छंद, सोरठा छंद, रोला छंद, चौपाई छंद। वर्णिक छंद – सवैया छंद, मालिनी छंद, मंदाक्रांता छंद, इंद्रव्रजा छंद।	15	1

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन :– **अंक**

प्रश्न 1 : पूरे पाठ्यक्रम पर पाँच बहुविकल्पी प्रश्न 05

प्रश्न 2 : इकाई एक और दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

प्रश्न 3 : इकाई तीन और चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

प्रश्न 4 : पूरे पाठ्यक्रम पर टिप्पणी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

कुल अंक – 35

❖ अंतर्गत मूल्यमापन – होम असायमेंट और विभागीय मूल्यमापन अंक– 15

VIVEKANAND COLLEGE OF KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

- संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र।
2. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत – डॉ. गोविंद त्रिगुणायत।
3. काव्य के रूप – बाबू गुलाबराय।
4. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. कृष्णदेव झारी।
5. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. मानवेंद्र पाठक।
6. हिंदी आलोचना के बीज शब्द – डॉ. बच्चन सिंह।
7. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – कृष्णदेव शर्मा।
8. औचित्य विचार चर्चा – क्षेमेंद्र।
9. रस सिद्धांत – डॉ. नगेंद्र।
10. काव्यशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य – डॉ. कन्हैयालाल अवस्थी।
11. हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार – कृष्णदत्त पालीवाल।
12. काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन – डॉ. अजय प्रकाश।

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR
ESTD JUNE 1964
(An Empowered Autonomous)

हिंदी साहित्य का इतिहास

सत्र – V प्रश्नपत्र – IX

DISIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSC)

(Course Code – DSC-1016 E3)

हिंदी (ऐच्छिक)

श्रेयांक – 04, तासिकाएँ – 60

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

- **उद्देश्य :–**

1. हिंदी भाषा तथा साहित्य की विकास यात्रा से अवगत कराना।
2. हिंदी साहित्य की विकास यात्रा में हिंदी भाषा के माध्यम से अलग–अलग विचारधारा और प्रवृत्तियों से अवगत कराना।
3. छात्रों में साहित्य समझने तथा उसका अस्वादन, मूल्यांकन करने की दृष्टि को बढ़ाना।
4. छात्रों को साहित के संदर्भ में विभिन्न साहित्यिक विधाओं विकास क्रम से परिचित कराना।
5. छात्रों को युगीन सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी से अवगत कराना।
6. इतिहासकारों द्वारा प्रस्तुत काल विभाजन और नामकरण को जानने के लिए प्रेरित करना।
7. हिंदी साहित्य के अंतर्गत गद्य–पद्य विधा और उसके भेदों–उपभेदों से अवगत कराना।
8. आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक के संत, महात्मा, लेखक, कवियों की विचारधारा और उनके द्वारा निर्मित साहित्य का सामान्य परिचय कराना।

- **अध्यापन पद्धति :–**

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. साहित्यकोष के माध्यम से।
3. दृक् –श्रव्य साधनों/माध्यमों का प्रयोग।
4. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
5. पी. पी. टी., आई. सी. टी. तथा भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग।
6. विशेषज्ञों के व्याख्यान, साक्षात्कार तथा प्रश्नावली।

- अध्ययनार्थ विषय :–

इकाई (Module)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	अध्यापन तासिका (Teaching Hours)	श्रेयांक (Credits)
इकाई 1	साहित्येतिहास लेखन : अर्थ एवं स्वरूप। इतिहास लेखन की परंपरा। इतिहास लेखन की पद्धतियाँ। इतिहास लेखन की उपयोगिता। कालविभाजन और नामकरण	15	1
इकाई 2	आदिकाल का नामकरण आदिकाल की परिस्थितियाँ – सामाजिक, राजनीतिक आदिकालीन साहित्य की सामान्य विशेषताएँ आदिकाल के रचनाकार – अमीर खुसरो, चंदबरदाई।	15	1
इकाई 3	भक्तिकाल– भक्तिकाल की परिस्थितियाँ – सामाजिक, राजनीतिक निर्गुण काव्य की विशेषताएँ सगुण काव्य की विशेषताएँ भक्तिकाल के प्रतिनिधि कवि – कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास	15	1
इकाई 4	रीतिकाल का नामकरण रीतिकाल की परिस्थितियाँ – सामाजिक, राजनीतिक रीतिकाल की विशेषताएँ। रीतिकाल की काव्यधाराएँ – 1. रीतिबद्ध 2. रीतिसिद्ध 3. रीतिमुक्त।	15	1

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन :– **अंक 50**

प्रश्न 1 : अ) पूरे पाठ्यक्रम पर पाँच बहुविकल्पी प्रश्न 05

प्रश्न 2 : इकाई एक और दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

प्रश्न 3 : इकाई तीन और चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

प्रश्न 4 : पूरे पाठ्यक्रम पर टिप्पणी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

कुल अंक – 40

❖ **अंतर्गत मूल्यमापन – होम असायमेंट और विभागीय मूल्यमापन अंक – 10**

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

सत्र : VI

विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र – XIV : हिंदी साहित्य का इतिहास

(Course Code – DSC-1016 F3)

➢ अध्ययनार्थ गद्य पाठः–

इकाई (Module)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	अध्यापन तासिका (Teaching Hours)	श्रेयांक (Credits)
इकाई 1	आधुनिकालीन पृष्ठभूमि – सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक। भारतेंदु युग की विशेषताएँ। द्विवेदी युग विशेषताएँ।	15	1
इकाई 2	हिंदी काव्य की विभिन्न धारा और उनकी विशेषताएँ छायावाद प्रगतिवाद समकालीन कविता	15	1
इकाई 3	आधुनिक गद्य विधाओं का विकास हिंदी उपन्यास साहित्य का उद्भव और विकास हिंदी कहानी साहित्य का उद्भव और विकास हिंदी नाटक साहित्य का उद्भव और विकास	15	1
इकाई 4	• सहित्यिक विमर्श – स्त्री विमर्श। दलित विमर्श। आदिवासी विमर्श। पर्यावरणीय विमर्श। वृद्ध विमर्श। बाल विमर्श।	15	1

- **प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन :–** **अंक**

प्रश्न 1 : पूरे पाठ्यक्रम पर पाँच बहुविकल्पी प्रश्न 05

प्रश्न 2 : इकाई एक और दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

प्रश्न 3 : इकाई तीन और चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

प्रश्न 4 : पूरे पाठ्यक्रम पर टिप्पणी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

कुल अंक – 35

- **अंतर्गत मूल्यमापन – होम असायमेंट और विभागीय मूल्यमापन** **अंक – 15**
- **संदर्भ ग्रंथ सूचीः–**

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र।
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह।
4. कबीर – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी।
5. हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – डॉ. शिवकुमार शर्मा।
6. हिंदी साहित्य का इतिहास : नए विचार नई दृष्टि – डॉ. रमेशकुमार जैन।
7. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. गंगासहाय प्रेमी।
8. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास – बाबू गुलाबराय।
9. हिदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – गणपतिचंद्र गुप्त।
10. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा।
11. हिंदी साहित्य की भूमिका – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी।
12. हिंदी साहित्य का बृहद इतिहास – नागरी प्रचारिणी सभा काशी।
13. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे।

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous)
ESTD JUNE 1964

प्रयोजनमूलक हिंदी

सत्र – V प्रश्नपत्र – X

DISIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSC)

(Course Code – DSC-1016 E4)

हिंदी (ऐच्छिक)

श्रेयांक – 04, तासिकाएँ – 60

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

- **उद्देश्य :–**

1. हिंदी में कार्य करने की रूचि को विकसित करना।
2. रोजगार उन्मुख शिक्षा एवं कौशल्य प्रदान करना।
3. प्रिंट एवं दृक् श्रव्य माध्यमों से परिचय कराना।
4. नव इलेक्ट्रानिक माध्यमों से परिचय कराना।
5. रोजगारपरक हिंदी की उपयोगिता स्पष्ट कराना।

- **अध्यापन पद्धति :–**

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. साहित्यकोष के माध्यम से।
3. दृक् – श्रव्य साधनों/माध्यमों का प्रयोग।
4. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
5. पी. पी. टी., आई. सी. टी., इंटरनेट आदि का प्रयोग।

- **अध्ययनार्थ विषय :–**

इकाई (Module)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	अध्यापन तासिका (Teaching Hours)	श्रेयांक (Credits)
इकाई 1	• पारिभाषिक शब्दावली अ) संचार माध्यम संबंधी शब्द ब) शिक्षा, सभा और सम्मेलन संबंधी शब्द	15	1
इकाई 2	समाचार लेखन समाचार अर्थ एवं परिभाषा, स्वरुप। समाचार लेखन के मूल तत्व। समाचार लेखन के प्रकार महाविद्यालयीन समारोह का समाचार लेखन। समाजिक समारोह का समाचार लेखन। दुर्घटना का समाचार लेखन। प्राकृतिक आपदा का समाचार लेखन।	15	1
इकाई 3	जनसंचार माध्यमः सामान्य परिचय – मुद्रित समाचार पत्र पत्रिकाएँ विज्ञापन रिपोर्ताज उद्घोषणा	15	1
इकाई 4	हिंदी भाषा और रोजगार के अवसर रेडियो में रोजगार पत्रकारिता में रोजगार विज्ञापन में रोजगार अनुवाद में रोजगार फिल्म में रोजगार	15	1

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन :– **अंक**

प्रश्न 1 : पूरे पाठ्यक्रम पर पाँच बहुविकल्पी प्रश्न 05

प्रश्न 2 : इकाई एक और दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

प्रश्न 3 : इकाई तीन और चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

प्रश्न 4 : पूरे पाठ्यक्रम पर टिप्पणी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

कुल अंक – **35**

- **अंतर्गत मूल्यमापन – होम असायमेंट और विभागीय मूल्यमापन** **अंक– 15**

सत्र : VI

विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र – XV : प्रयोजनमूलक हिंदी

(Course Code – DSC-1016 F4)

➢ **अध्ययनार्थ गद्य पाठ :**

इकाई (Module)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	अध्यापन तासिका (Teaching Hours)	श्रेयांक (Credits)
इकाई 1	• पारिभाषिक शब्दावली अ) अंग्रेजी – हिंदी वाक्यांश (पदनाम संबंधी)	15	1
इकाई 2	संदर्भ स्रोतों का सामान्य परिचय वाट्स एप टविट्र इन्स्टाग्राम ब्लॉग	15	1
इकाई 3	जनसंचार माध्यमःसामान्य परिचय –दक्–श्राव्य दूरदर्शन का सामान्य परिचय इंटरनेट डाक्यूमेंट्री वीडियो कॉन्फ्रेंस यू–ट्यूब	15	1
इकाई 4	अनुवाद अनुवाद अर्थ, परिभाषाएँ एवं स्वरुप अनुवाद का महत्व अनुवाद के प्रकार अनुवाद की प्रक्रिया	15	1

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन :– **अंक**

प्रश्न 1 : पूरे पाठ्यक्रम पर पाँच बहुविकल्पी प्रश्न 05

प्रश्न 2 : इकाई एक और दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

प्रश्न 3 : इकाई तीन और चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

प्रश्न 4 : पूरे पाठ्यक्रम पर टिप्पणी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

कुल अंक – 35

- **अंतर्गत मूल्यमापन – होम असायमेंट और विभागीय मूल्यमापन अंक – 15**

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

- संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिंदी : मीडिया और पत्रकारिता – सं. डॉ. आरिफ महात।
2. हिंदी भाषा और सूचना प्रौद्योगिकी – डॉ. दीपक तुपे।
3. मीडिया लेखन – सं. जशवंत राठवा।
4. जनसंचार एवं पत्रकारिता : कल और आज – डॉ. सिद्राम कृष्णा खोत।
5. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. अजय प्रकाश, डॉ. रमेश वर्मा, डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह।
6. प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका – कैलाश नाथ पांडेय।
7. प्रयोजनमूलक हिंदी – प्रो. रमेश जैन।
8. प्रयोजनमूलक हिंदी विविध परिदृश्य–डॉ. रमेश चंद्र त्रिपाठी, डॉ. पवन अग्रवाला।
9. मीडिया लेखन सिद्धांत और व्यवहार –डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र।
10. दृश्य – श्रव्य माध्यम लेखन – डॉ. राजेंद्र मिश्र।
11. इंटरनेट पत्रकारिता – सुरेश कुमार।

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR ESTD JUNE 1964 (Empowered Autonomous)

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

सत्र – V प्रश्नपत्र – XI

DISIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSC)

(Course Code – DSC-1016 E5)

हिंदी (ऐच्छिक)

श्रेयांक – 04, तासिकाएँ – 60

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

- **उद्देश्य :–**

1. भाषा के विविध रूपों का परिचय कराना।
2. भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय कराना।
3. हिंदी भाषा एवं लिपि के उद्भव ओर विकास का परिचय कराना।
4. भाषा के शुद्धता के प्रति छात्रों को जागृत कराना।
5. मानक हिंदी वर्तनी और व्याकरण से छात्रों को परिचित कराना।

- **अध्यापन पद्धति :–**

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. भाषा कोष के माध्यम से।
3. दृक् – श्रव्य साधनों/माध्यमों का प्रयोग।
4. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
5. पी. पी. टी., आई. सी. टी., इंटरनेट आदि का प्रयोग।

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR
ESTD JUNE 1964
(Empowered Autonomous)

- **अध्ययनार्थ विषय :**

इकाई (Module)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	अध्यापन तासिका (Teaching Hours)	श्रेयांक (Credits)
इकाई 1	भाषा की परिभाषाएँ। भाषा की विशेषताएँ। भाषा की उत्पति एवं तत्संबंधी विविध वाद – दैवी उत्पति सिद्धांत, धातु सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत, समन्वित सिद्धांत।	15	1
इकाई 2	भाषा परिवर्तनशीलता के कारण। भाषा के विविध रूप – बोली, राजभाषा, संपर्क भाषा, विश्वभाषा। बोलियों के बनने के कारण। बोली और भाषा में अंतर।	15	1
इकाई 3	हिंदी भाषा का उद्भव और विकास, हिंदी शब्द समूह, हिंदी की बोलियाँ – अवधी, ब्रजभाषा, खडीबोली, भोजपुरी, मैथिली।	15	1
इकाई 4	लिपि विकास का सामान्य परिचय। देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता। मानक वर्तनी के नियम।	15	1

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन :– **अंक**

प्रश्न 1 : पूरे पाठ्यक्रम पर पाँच बहुविकल्पी प्रश्न 05

प्रश्न 2 : इकाई एक और दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

प्रश्न 3 : इकाई तीन और चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

प्रश्न 4 : पूरे पाठ्यक्रम पर टिप्पणी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

कुल अंक – **35**

- **अंतर्गत मूल्यमापन – होम असायमेंट और विभागीय मूल्यमापन अंक–** **15**

सत्र : VI

विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र – XVI : भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

(Course Code – DSC-1016 F5)

➢ अध्ययनार्थ पाठ :–

अ.क्र. इकाई (Module)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	अध्यापन तासिका (Teaching Hours)	श्रेयांक (Credits)
इकाई 1	भाषा विज्ञान की परिभाषा। भाषा विज्ञान के अध्ययन का महत्त्व। भाषा विज्ञान की वैज्ञानिकता।	15	1
इकाई 2	भाषा विज्ञान के प्रधान अंगों का परिचय– ध्वनिविज्ञान, पदविज्ञान, शब्दविज्ञान, वाक्यविज्ञान, अर्थ विज्ञान।	15	1
इकाई 3	भाषा विज्ञान का अन्य विज्ञानों से संबंध– भाषा विज्ञान और साहित्य। भाषा विज्ञान और समाज विज्ञान। भाषा विज्ञान और व्याकरण। भाषा विज्ञान और मनोविज्ञान। भाषा विज्ञान और इतिहास। भाषा विज्ञान और भूगोल।	15	1
इकाई 4	व्याकरण – कारक, पदक्रम, विराम चिह्न – अल्प विराम, अवतरण, निर्देशक, वाक्य के भेद।	15	1

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन :– **अंक**

प्रश्न 1 : पूरे पाठ्यक्रम पर पाँच बहुविकल्पी प्रश्न 05

प्रश्न 2 : इकाई एक और दो पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

प्रश्न 3 : इकाई तीन और चार पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

प्रश्न 4 : पूरे पाठ्यक्रम पर टिप्पणी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) 10

कुल अंक – **35**

- **अंतर्गत मूल्यमापन – होम असायमेंट और विभागीय मूल्यमापन अंक–** **15**

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

- **संदर्भ ग्रंथ सूची :–**

1. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी।
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा।
3. भाषा विज्ञान के तत्त्व – डॉ. राजनारायन मौर्य।
4. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा – डॉ. सुधीर कलवाडे।
5. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा – डॉ. द्वारकाप्रसाद सक्सेना।
6. हिंदी भाषा – डॉ. धीरेंद्र वर्मा।
7. हिंदी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरू।
8. हिंदी की वर्तनी – कैलासचंद्र भाटिया, रचना भाटिया।
9. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा – डॉ. हणमंतराव पाटील।
10. भाषा विज्ञान – डॉ. नेमीचंद श्रीमाल।

संभाषण कला

सत्र – V & VI प्रश्नपत्र – XVII

DISIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSC)

(Course Code – DSC-1016 E5)

हिंदी (ऐच्छिक)

श्रेयांक – 04, तासिकाएँ – 60

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।)

- **उद्देश्य :–**

1. संभाषण कौशल का परिचय कराना।
2. संभाषण कला विकसित कराना।
3. भाषा के शुद्धता के प्रति छात्रों को जागृत कराना।

- **अध्यापन पद्धति :–**

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. भाषा कोष के माध्यम से।
3. दृक् – श्रव्य साधनों/माध्यमों का प्रयोग।
4. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।
5. पी. पी. टी., आई. सी. टी., इंटरनेट आदि का प्रयोग।
6. **अध्ययनार्थ पाठ :–**

अ.क्र. इकाई (Module)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	अध्यापन तासिका (Teaching Hours)	श्रेयांक (Credits)
इकाई 1	संभाषण का अर्थ एवं विभिन्न रुप–वार्तालाप, व्याख्यान, वाद–विवाद, जनसंबोधन जनसंपर्क में वाक् कला की उपयोगिता।	15	1
इकाई 2	संभाषण कला के प्रमुख उपादान–मानक उच्चरण, सटीक प्रस्तुति, लहजा, वेग, अंतराल ध्वनि	15	1
इकाई 3	संभाषण कला के विभिन्न रुप–उद्घोषणा कला, आँखों देखा हाल, संचालन, वाचन कला, समाचार वाचन, मंचीय वाचन	15	1
इकाई 4	लोक प्रशासन, जनसंपर्क एवं विपणन के विकास में संभाषण कला का योगदान, समूह संवाद, संवादी भाषा, हिंदी की भाषिक संवेदना का विवेचन	15	1

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन :–

	अंक
प्रश्न 1 : पूरे पाठ्यक्रम पर 25 बहुविकल्पी प्रश्न	50
कुल अंक –	50

- संदर्भ ग्रंथ :–

1. उपाध्याय देवनाथ – भाषण–संभाषण, किताब महल, इलाहाबाद, प्रथम संस्करणः 1949
2. ब्रजमोहन – भाषा व्यवहार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण : 2010
3. मेहता डॉ. भानुशंकर – बोलने की कला, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, संस्करणः 2011
4. शर्मा महेश– भाषण कला, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, संस्करणः 2013
5. शर्मा यज्ञादत्त – आदर्श भाषण कला, आत्माराम एंड सन्स, काश्मीरी गेट, दिल्ली, संस्करणः 2015

- डिजिटल संपर्क सूत्रः

6- http://saagarika.blogspot.com/2020/02/blog-post_21.html

CHAIRMAN
BoS HINDI
VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR
(EMPOWERED AUTONOMOUS)

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR
ESTD JUNE 1964
(Empowered Autonomous)